सारा सच

www.
SaraSach.com

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 44 ◆ वीरवार 28 मई से 3 जून 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

दोबारा खुलने के बाद 24 घंटे में

दिल्ली एयरपोर्ट पर तैनात 18 CISF जवानों को हुआ कोरोना

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों के कोरोना संक्रमित होने के मंगलवार को कुल 20 मामले आए। इनमें 18 मामले दिल्ली हवाईअड्डे पर तैनात जवानों के हैं। दो अन्य मामले राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) की हिमाचल प्रदेश स्थित कोल्डम इकाई और चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा सचिवालय से जुड़े हैं।

दिल्ली हवाईअड्डा दोबारा खुलने के बाद 24 घंटे में आए इन मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि जवानों को कोरोना से बचाने के लिए हर तरह की एहतियात बरती जा रही है। उन्हें नियमित रूप से अपनी जांच कराने के लिए भी कहा गया है। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, बलकर्मियों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने के दिशानिर्देश दिए गए हैं। हवाईअड्डे पर कम से कम संपर्क के साथ सुरक्षा जांच की जा रही।

उनका कहना था कि प्रवेश गेट पर पारदर्शी शीट लगाई गई हैं। अंदर भी जांच में यूवी बैगेज स्कैनर, यूवी हैंड हेल्ड मशीन, कैमरों व स्कैनिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। सभी कर्मचारियों को मास्क, फेस शील्ड, दस्ताने, हैंड सैनिटाइजर व पीपीई किट दी गई हैं। कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि थोड़ी सी भी तबीयत बिगड़ने पर तुरंत मेडिकल टीम से संपर्क करें।

डेढ़ गुना मामले बढ़े रू एयरपोर्ट खुलते ही सीआईएसएफ कर्मियों में कोरोना के डेढ़ गुना मामले बढ़ गए हैं। सोमवार तक एयरपोर्ट पर तैनात सिर्फ सात सीआईएसएफ कर्मियों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी। वहीं, मंगलवार को इस संख्या में 18 की बढ़ोतरी हो गई।

दिल्ली में अब तक 54 सीआईएसएफ कर्मियों को कोरोना हो चुका है। जो इस समय देशभर में सीआईएसएफ कर्मियों को हुए कोरोना की संख्या में सबसे ज्यादा है। इनमें से दिल्ली एयरपोर्ट पर कुल 25 और दिल्ली मेट्रो पर तैनात कुल 22 सीआईएसएफ कर्मियों को कोरोना हुआ है।

देशभर में 132 सीआईएसएफ कर्मचारी अभी तक कोरोना से उबर चुके हैं। अभी 78 सीआईएसएफ कर्मियों में कोरोना है। इनमें से दिल्ली में 54, मुंबई में 12, झारखंड में 4, कोलकता में 3, चेन्नई में 2, हैदराबाद, हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ में एक–एक मामले हैं।

बीजेपी का राहुल गांधी पर पलटवार

कहा–कोरोना संकट में बोल रहे हैं झूठ

नई दिल्ली कोरोना संकट के बीच बीजेपी ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर पलटवार किया। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी कोरोना वायरस के इस दौर में भी झूठ बोल रहे हैं और गलत बयानबाजी कर रहे हैं।

रविशंकर प्रसाद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, जब से कोरोना संकट आया है, तभी से राहुल गांधी इस लड़ाई में देश के संकल्प को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। वह झूठ बोलकर, गलत बयानबाजी करके और तथ्यों को गलत तरीके से बताकर ऐसा कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की आबादी है 137 करोड़ और हमारे देश में 4,345 लोगों की मृत्यु हुई है। 64 हजार से ज्यादा रिकवरी हुई है। वैसे मृत्यु कहीं भी हो, वो दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन करके जो देश को एकजुट किया है, यह उसकी का नतीजा है। उन्होंने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने पहले कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लॉकडाउन करना कोई समाधान नहीं है। पंजाब और राजस्थान ने सबसे पहले लॉकडाउन को किया। वहीं, महाराष्ट्र ने भी सबसे पहले ही 31 मई तक अपने राज्य में लॉकडाउन को बढ़ाया था। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि क्या कांग्रेस के मुख्यमंत्री उनकी नहीं सुनते हैं।

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, श्राहुल गांधी ने न्याय योजना को लागू करने के लिए कहा लेकिन उनके ही राज्य इसे अपने यहां लागू

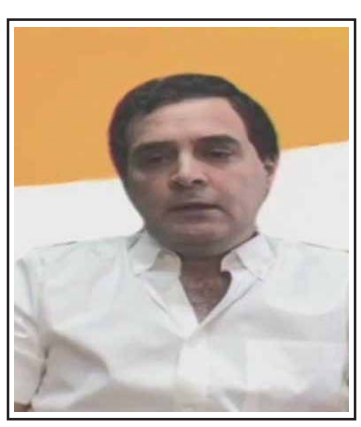

नहीं कर रहे। वहीं, मोदी सरकार ने गरीबों और जरूरतमंद लोगों के लिए 52 हजार करोड़ रुपये भेजे हैं।

शेष पृष्ठ चार पर

प्रवासी श्रमिकों को सीएम योगी का बड़ा उपहार

यूपी। देश के अलग–अलग हिस्सों से प्रवासी मजदूरों को लाने के लिए योगी सरकार ने 1 हजार 321 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को मंजूरी दी और बसें भी मजदूरों की वापसी के लिए लगाई गई है। लाकडाउन के बाद करीब 23 लाख मजदूरों की यूपी में वापसी हुई है। सीएम ने वापसी के साथ ही इनकी स्किल मैपिंग करवाने के निर्देश किए थे।

प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा देखकर कठोर से कठोर दिल पसीज जाता है। यूपी के लाखों कामगारों ने मुंबई और सूरत जैसे शहरों की तकदीर संवारी। लेकिन जब लॉकडाउन हुआ तो उन्हें वहां से लाचारी में निकलना पड़ा। बीते दिनों यूपी की योगी सरकार ने दो टूक कह भी दिया कि अब किसी को अगर प्रदेश के मजदूरों का हाथ और साथ चाहिए तो उन्हें राज्य सरकार की इजाजत लेनी होगी। यूपी सरकार ने इसके लिए श्रमिक आयोग बनाने का ऐलान भी कर दिया है। देश के अलग–अलग हिस्सों से प्रवासी मजदूरों को लाने के लिए योगी सरकार ने 1 हजार 321 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को मंजूरी दी और बसें भी मजदूरों की वापसी के लिए लगाई गई है। लाकडाउन के बाद करीब 23 लाख मजदूरों की यूपी में वापसी हुई है।

सीएम ने वापसी के साथ ही इनकी

शेष पृष्ठ चार पर

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य प्रतियोगिता मई चौथे–साप्ताहिक के विजेता

पहला स्थान
पदमा ओजेंद्र तिवारी
(मप्र)

दूसरा स्थान
दीपक क्रांति
(झारखण्ड)

तीसरा स्थान
डा. गीता शर्मा
(छत्तीसगढ़)

चौथा स्थान
अनन्तराम चौबे अनन्त (मप्र)

पांचवां स्थान
अमित राज
नालन्दा, (बिहार)

छठा स्थान
डा. रूपाली दिलीप चौधरी
(महाराष्ट्र)

सातवां स्थान
अनिल धावन सिरसा
(हरियाणा)

आठवां स्थान
डा. रामचन्द्र स्वामी
(बीकानेर)

नौवा स्थान
गौरव सिंह घाणेराव
(राजस्थान)

दसवां स्थान
होशियार सिंह यादव
(हरियाणा)

संपादकीय

&सलीम अहमद

पत्रकारिता व्यवसाय नहीं, साधना

स्वस्थ आलोचना में सुधारात्मक भावना छिपी होती है और यह भी सत्य है कि प्रत्येक समाज को स्वस्थ आलोचक की आवश्यकता होती है क्योंकि उसके माध्यम से ही वह गलत मार्ग से बचकर सही की ओर अग्रसर होता है। ऐसे स्वस्थ आलोचक की भूमिका पत्रकार इस समाज में रहकर निभाता है, परन्तु आज जब समाज के स्वस्थ आलोचक भी अपने कर्तव्यों को स्वार्थ के चलते भूल गये हैं, तब समृद्ध समाज एवं अच्छे शासक की कल्पना करना भी स्वयं को धोखा देने के समान है।

पिछले कई दशकों से भारतीय चिंतक यही कहते आ रहे हैं कि लोकतंत्रा के चौथे स्तंभ में भी अन्य तीन स्तंभों की भांति परिवर्तन हुआ है जो सारे समाज के लिए घातक है। इसका कारण यह है कि पत्राकारिता समाज का दर्पण कही जाती है और जब दर्पण ही साफ न हो तो समाज की तस्वीर तो धुंधली होना निश्चित है।आज जब पत्रकारिता के नाम पर बड़े–बड़े संगठन व संस्थाएं खड़ी कर दी गई हैं और परिणाम वही ढाक के तीन पात आ रहे हैं तब पत्रकारिता से जुड़े हुए लोग ही नहीं वरन् समस्त समाज के लिए यह प्रश्न विचारणीय है कि क्या भारतीय लोकतंत्र के मुताबिक पत्रकारिता जगत के लोगों को वह सम्मान मिल रहा है, जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं।

तमाम चिंतक इस विषय में बिना किसी अपवाद के नहीं में उत्तर देते हैं। पत्रकारिता जगत के जाने–माने लोग भी एक स्वर में इस बात को स्वीकार करते हैं कि पत्रकारिता में विश्वसनीयता का अभाव हुआ है जिससे समाज में पत्रकार की प्रतिष्ठा में ह्रास हुआ है।यह कहना कि आज सभी पत्रकार अपने स्वार्थों की खातिर पथभ्रष्ट हो गये हैं, उन तमाम पत्रकारों के हृदय को गहरी वेदना पहुंचाना होगा जो पूरी लगन व प्रतिभा के बल पर विभिन्न समाचार–पत्रों में निष्पक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं परन्तु ऐसे सभी लोगों की संख्या उड़द पर सफेदी के समान ही है। इस संबंध में एक दैनिक समाचार–पत्रा के संवाददाता अत्यन्त गंभीरता के साथ कहते हैं कि यदि पत्रकार ईमानदारी से कार्य करें तो भूखे मर जायें। उक्त संवाददाता की यह मानसिकता ऐसे तमाम पत्राकारों का प्रतिनिधित्व करती है जो इसे अपना जीविका का साधन बना चुके हैं। वैसे इसमें कोई बुराई तो नहीं है परन्तु फिर भी यदि हमारी भावना पत्रकारिता को लेकर व्यवसायिक है तो हमें सम्मान की अपेक्षा त्याग देनी चाहिए।

आज जब समाचार–पत्रों व पत्रकारों की संख्या में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है एवं पाठकों की संख्या बढ़ती जा रही है पर पत्रकारों का प्रभाव कम होता जा रहा है तो यह इस जगत के सभी लोगों के लिए गंभीर मुद्दा है। विश्व भर की समस्याओं पर गहरा चिंतन करने वाला पत्रकार आखिर अपने अस्तित्व से जुड़ी महत्त्वपूर्ण समस्याओं के मामले पर मौन क्यों हैं? वह कोई मार्ग प्रशस्त क्यों नहीं कर लेता? आदि प्रश्न पत्रकार को झकझोरने हेतु काफी हैं।

गंभीरता से विचार करें तो ज्ञात होता है कि आज समाचार–पत्रों की ढेर सारी संख्या होने के बावजूद पत्रों का अभाव है क्योंकि जो समाचार पत्र अथवा पत्रकार दुराग्रह, पूर्वाग्रह से ग्रस्त हों, वे पत्रकारिता की श्रेणी से परे हैं। यही कारण है कि देश में समाचार–पत्रों व पत्रकारों का अभाव है। आज पत्रकारिता राजनीति की परछाई बनती जा रही है। पत्रकारिता अनुशीलन नहीं बल्कि मार्ग निर्धारक है। जो लोग पेट का हवाला देकर पत्रकारिता का अर्थ बदल रहे हैं, उन्हें पत्रकारिता छोड़ देनी चाहिए क्योंकि पत्रकारिता तो साधना है और इसे करने वाला उच्च कोटि का पुरूष होता है जो अपने त्याग व बलिदान से इसकी प्रतिष्ठा बनाता है, बिगाड़ता नहीं।

चुप्पी तोड़ें

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&लिखें&

मुख्य संपादक : सलीम अहमद

सारा सच

12/596 गली नंबरः 2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–110092

E-mail : sarasach786@gmail.com

^ckढ़ की संभावनाएं सामने हैं और नदियों के किनारे घर बने हैं।' यह पंक्ति है दुष्यंत कुमार की गजल की। मानवीय विडंबनाओं, विरोधाभासों और विसंगतियों पर इससे अच्छी और कोई टिप्पणी नहीं हो सकती। मिथ्या आनंद और क्षणिक उत्तेजना के लिए जानबूझ कर मौत के मुंह में जाने की कोशिश समझ से परे है।वास्तव में यह स्वपनिल दुनिया की खोज में स्वयं के प्रति सबसे बड़ी लापरवाही है जिसके लिए कोई अपने तन–मन को शराब में डुबो देता है तो कोई सिगरेट, बीड़ी या सिगार के धुंए में। कोई नशीले पदार्थों के सेवन से अपनी बोझिल सांसों को थपकियां देकर सुलाता है तो कोई तंबाकू या तंबाकू युक्त पदार्थों को गले में उतारकर क्षणिक सुकून पाता है।

इन व्यसनों में मजा लेने वाले यह भूल जाते हैं कि यही मौत रुपी भीषण कज़ा है और दर्जनों जानलेवा बीमारियों की मुंह फाड़े अनंत तक जाती कतार। जिस रास्ते पर वे कदम बढ़ाते हैं, उसकी

शरीर में घुलता धीमा जहर

मंजिल है–सिर्फ असमय मौत या फिर कष्टकारी जीवन। ऐसी स्थिति के लिए किसी शायर ने बिल्कुल ठीक कहा है– 'जिंदगी से तो खैर शिकवा था, मुद्दतों मौत ने भी तरसाया।'अपने ही मुंह पर यह छोटा अग्निकांड कितना घातक है, इसका प्रमाण यह है कि जलती हुई सिगरेट के मुंह पर 90 सेंटीग्रेड का तापमान होता है और श्वास में खींचे गए धुंए का 30 सेंटीग्रेड का तापमान जो एक इंच सिगरेट रह जाने पर 50 सेंटीग्रेड हो जाता है। यह ताप श्वास नलिका को अत्यंत नुकसान पहुंचाता है। एक सिगरेट प्रायः 500 मिलीग्राम धुंआ उगलती है। इसमें अत्यंत हानिकारक रसायन होते हैं। इन रसायनों की संख्या चार हजार बताई जाती है जिनमें से 43 कारसोजेनिक होते हैं जो कैंसर उत्पन्न करते हैं।अनुमान है कि विश्व की एक तिहाई वयस्क आबादी धूम्रपान करती है। इसके परिणामस्वरुप 35 लाख लोग विश्व में प्रतिवर्ष मौत के मुंह में समा जाते हैं। भारत में यह व्यसन करीब 4 लाख लोगों को धर दबोचता है। दुनिया में प्रति दस सैकंड में एक व्यक्ति धूम्रपान जन्य रोगों से मृत्यु का ग्रास बनता है। यदि यही स्थिति अविराम चलती रही तो वर्ष 2025 तक तंबाकू सेवन व धूम्रपान से मरने वालों की संख्या पचास लाख हो जाएगी।इस व्यसन से जो बीमारियां आदमी को जकड़ती हैं, उनमें मुंह और फेफड़ों का कैंसर, ब्रोन्काइटिस, हृदयाघात, फेफड़ों में हवा भर जाना प्रमुख है। इसके अलावा इससे आंखें भी खराब होती हैं और कभी अंधत्व की स्थिति भी पैदा हो जाती है।

यह सबसे बड़ी त्रासदी है कि आज विश्व में पंद्रह प्रतिशत बच्चे धूम्रपान करते हैं और इतना ही दुखद तथ्य यह है कि चालीस प्रतिशत महिलाएं भी इस जानलेवा शौक की शिकार हैं। भारत में धूम्रपान करने वाली महिलाओं की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है। महिलाओं द्वारा गर्भ काल में धूम्रपान करने से गर्भस्थ शिशु पर सीधा दुष्प्रभाव पड़ता है और बच्चे में विकृति आ जाती है।

जन जागरुकता जनतंत्रा में सबसे बड़ा हथियार होता है। यही कारण है कि अनेक सरकारी और गैर सरकारी संगठन अपने–अपने ढंग से धूम्रपान के विरोध में सक्रिय हैं। उधर विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर दुनिया भर में प्रतिवर्ष 31 मई को तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है पर परिणाम होता है– वही ढाक के तीन पात। इस तरह के दिवस उद्देश्य की सीमित या सांकेतिक पूर्ति ही कर पाते हैं और कई व्यक्ति इसे उबाऊ कर्मकांड मानकर इसकी हंसी तक उड़ाते हैं।

लोकतंत्र में सरकारें जनमत के दबाव की उपेक्षा नहीं कर सकती मगर इस तरह की सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए कानून पर्याप्त नहीं होते। इसके लिए जन जागरण प्रभावी हथियार सिद्ध होता है। नशा चाहे छोटा हो या बड़ा, वह मनुष्य के विवेक को सबसे पहले आहत करता है।

सारा सच के सक्रिय लेखक

अमित त्यागी, शाहजहापुर, (यू.पी.)
दीप्ति शर्मा, आगरा (यू.पी.)
पूनम शुक्ला, गुड़गांव
डा. नीरज भारद्वाज, दिल्ली
तुशार राज रस्तोगी, दिल्ली
विभारानी श्रीवास्तव, बेगुसराय (बिहार)
रेखा जोशी, फरीदाबाद
भावना सिन्हा, गया (बिहार)
सलीमा आरिफ, जकिर नगर
सुधा राजे, शेरकोट
डा. नंदलाल भारती, इंदौर, (मप्र)
कल्पना समानी, नवी मुंबई
कुंती मुखर्जी, लखनऊ (यूपी)
पूजा श्रीवास्तव, सिहोर (मप्र)
शशि श्रीवास्तव, नई दिल्ली
डा. पुरुशोत्तम मीणा, पूर्णिमा शर्मा, मुरादाबाद (यूपी)
अनमोल शर्मा, बागपत (यूपी)
के.सी. वर्मा, पटियाला
साजिद अली खुरेजी

आखिर कब तक ?

शबनम खान

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

सारा सच

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

–मुख्य सम्पादक–
सलीम अहमद
–सह संपादक–
फहमीना सिद्दीकी
शाहनवाज सिद्दीकी
–सलाहकार–
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
मौ. मोहसिन
–छायाकार–
सुधीर कुमार, साजिद अली
ब्यूरो/विज्ञापन प्रतिनिधि
–दिल्ली–
रविन्दर कुमार, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
–राजस्थान–
जयपुर–विशाल चौहान
–हिमाचल प्रदेश–
शिमला
शान मो. खान
–उत्तर प्रदेश–
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फारूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

केजरीवाल सरकार के खिलाफ जनजागरण अभियान के दौरान गिरफ्तार किये गये नेता विपक्ष व विधायक

पूर्वी दिल्ली । दिल्ली सरकार द्वारा कोरोना संकट के दौर में गरीब व जरूरतमंद लोगों को दिए जा रहे राशन के वितरण में हो रही धांधली के विरोध ा में भाजपा विधायक जितेन्द्र महाजन के नेतृत्व में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए रोहतास नगर विधानसभा में चलाये जा रहे सांकेतिक जन जागरण अभियान के दौरान नेता विपक्ष रामबीर सिंह बिधूड़ी व् विधायक जितेन्द्र महाजन शाहदरा में गिरफ्तार किये गये

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी के यहां ज्ञापन देने हेतू जाते समय दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष रामवीर बिधूड़ी व विधायक जितेंद्र महाजन सहित कई लोगो को हिरासत में लिया और सभी को ज्योति नगर थाने ले जाया गया। यह पर कुछ समय बाद सभी नेताओं को छोड़ दिया गया। नेता विपक्ष की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही विध ाायक अजय महावर भी ज्योति नगर थाने पहुंचे। इस दौरान जिलाधिकारी को सौंपा जाने वाला ज्ञापन दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त को सौंपा गया।

इस मौके पर रामवीर बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने दिल्ली के 72 लाख लोगों के लिए मुफ्त 8 किलो गेहूं, 2 किलो चावल और एक किलो दाल भेजी लेकिन केजरीवाल सरकार उसको भी बांटने में विफल रही। यही कारण है कि रोज हजारों की संख्या में प्रवासी श्रमिक दिल्ली से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

विधायक जितेंद्र महाजन ने कहा की दिल्ली सरकार ने 2016 से आज तक रोहतास नगर विधानसभा में कोई राशन कार्ड नहीं बनाया है और लगभग ढाई हजार परिवारों के जो राशन कार्ड पेंडिंग है। उनकी भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिसकी वजह से गरीब और जरूरतमंद परिवार राशन नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्कालीन परिवारों को राशन कार्ड देकर इन परिवारों के राशन की व्यवस्था करें।

विडम्बना है कि सरकार की राशन वितरण में लापरवाही और अकर्मण्यता की वजह से ई–कूपन धारक परिवारों को 16 मई 2020 के बाद राशन देने से मना कर दिया गया है। उन सभी परिवारों को दिल्ली सरकार तुरंत राशन उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर निगम पार्षद अजय शर्मा , रीना महेश्ववरी , सुमनलता नागर , राजकुमार शर्मा , बब्बू पाजी , संजय अरोड़ा , दिव्य जायसवाल , प्रेम उपाध्याय उपस्थित रहे।

राजधानी से अब तक 241000 लोगों किया पलायन

मनीष सिसोदिया बोले- दिल्ली में रहने वाला हर व्यक्ति दिल्लीवाला

नई दिल्ली। कोरोना वायरस लॉकडाउन में काम बंद होने के चलते पलायन करने को मजबूर हुए प्रवासी मजदूरों को दिल्ली में ही रोकने के लिए एक ओर जहां दिल्ली सरकार बार–बार अपील कर रही है, वहीं दूसरी ओर अपने गृह राज्यों को जाने के इच्छुक लोगों को सुविधानुसार वापस भी भेज रही है। दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगर कोई दिल्ली में है तो हम उसे दिल्ली का नागरिक मानते हैं। फिर भी कई लोग अपने मूल राज्यों में वापस जाना चाहते हैं। राजधानी दिल्ली से 7 मई से लेकर अब तक 196 ट्रेनों के जरिये 241000 लोगों को उनके घरों को वापस भेज दिया गया है।

सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दिल्ली से 196 स्पेशल श्रमिक ट्रेनों के जरिये 2,41,169 लोगों को उनके गांव भेजा जा चुका है। इसमें से 1.25 लाख बिहार गए हैं और 96 हजार उत्तर प्रदेश भेजे गए हैं।

गौरतलब है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 22 मार्च को एक दिन के जनता कर्फ्यू और फिर देशव्यापी लॉकडाउन लागू

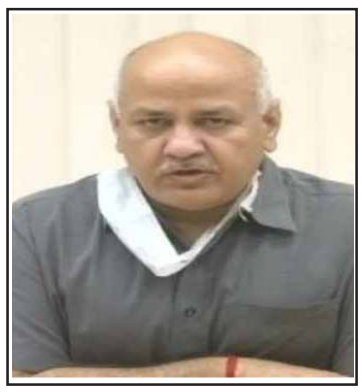

किए जाने के कारण प्रवासी श्रमिकों के सामने रोजी–रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक संकट के चलते इनके पास खाने और मकान का किराया तक देने के पैसे नहीं बचे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राजधानी में कोरोना वायरस की स्थिति की समीक्षा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उपराज्यपाल बैजल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने इस महामारी से निपटने को मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए हालात और संभावित परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए अस्पताल के बेड और ऑक्सीजनेशन सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है। इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए प्रभावी आईईसी और निगरानी उपाय महत्वपूर्ण हैं।

दिल्ली में मंगलवार को बीते 24 घंटे के दौरान कोविड–19 से 12 और लोगों की मौत होने के बाद इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई है, जबकि 412 नए पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद अब तक कुल 14,465 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, अब राजधानी में कोरोना वायरस से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई है, जबकि इस संक्रमण के मामले बढ़कर 14,465 हो गए हैं। शहर में सोमवार को कोविड–19 के कुल मामले 14,053 थे, जबकि इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 276 थी।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for
Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society
Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

उत्तरी निगम के शिक्षक दो महीने से बिना वेतन के काम करने को मजबूर

नई दिल्ली । वैश्विक महामारी के दौर में जहाँ हर वर्ग को सरकारों द्वारा राहत देने की मुहिम चल रही है वहीं देश की राजधानी दिल्ली में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के लगभग 8000 शिक्षक पिछले 2 माह से बिना वेतन के ही कम करने को मजबूर हैं। विडम्बना है कि ये शिक्षक कोरोना महामारी संकट के समय कोरोना योद्धा के रूप में लगातार 46 दिन से बिना साप्ताहिक अवकाश के 12 =12 घंटे राष्ट्रीय आपदा में राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना के अनुरूप राशन , पका भोजन गरीब लोगों को स्कूलों में वितरण करने का कार्य कर रहे है । हैरत की बात यह है कि ये शिक्षक इस कार्य को बिना सुरक्षा (पीपीई किट) के कार्य करने के कारण संक्रमण के शिकार

भी हो रहे हैं फिर भी विभाग एवं दिल्ली सरकार द्वारा इनकी ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा द्य जिससे शिक्षकों में भारी रोष है। यही वजह है कि पिछले 8 दिन से विरोध स्वरूप शिक्षक काली पट्टी बांधकर स्कूलों में सुखा राशन , पका भोजन वितरण का कार्य कर रहे हैं इस सन्दर्भ में नगर निगम शिक्षक संघ के महासचिव रामनिवास सोलंकी का कहना है कि उत्तरी निगम के 8000 शिक्षकों को मार्च–अप्रैल का वेतन महामारी के संकट के दौर में भी ना मिल पाने के कारण शिक्षक मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है और भुखमरी के कगार पर है। शिक्षक संघ ने वेतन के लिए दिल्ली उपराज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री व् निगम आयुक्त एवं महापौर तक को पत्र लिख कर गुहार लगाई है कि शिक्षकों (कोरोना योद्धाओं) का पिछले दो माह का वेतन अविलम्ब दिलाया जाय।

सारा सच

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं । क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach786@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा सच को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री	या	30 प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क करें:

91-999-000-7067

www.sarasach.com

Email : sarasach786@Gmail.com

'सरकार का काम'

दीनदुखि अभाव ग्रस्त सबके बनवाये पक्के मकान
जहां मिला नहीं भोजन वहां भेजा राशन सामान
न्यायपालिका न्याय दिलाने का करती सब काम
सबकी रक्षा सुरक्षा करवाना ही सरकार का काम

प्रवासी मजदूरों को भी भिजवाया अपने गांव
पानी मिले घर घर पहुंची नल जल योजना गांव
ना रहेगा अंधेरा कहीं बिजली पहुंची गांव–गांव
सारी चिंता सरकार को यह भी सरकार का काम

आग या बाढ़ हो सबकी मदद करती है सरकार
हमारा संविधान सभी को मौलिक है अधिकार
सरकार की बात मान कर दे देश को नया उपहार
कोरोनामुक्त हो भारत हमारा एवं सरकार का काम

प्रस्तुति
सुरेंद्र कुमार जोशी
(मप्र)

प्रवासी मेरे देस के

काम धाम बंद हुए तो घर आए प्रवासी।
पैर में छाले,लथपथ खून से पाए प्रवासी।।
घर से बाहर जाकर बहुत पछताए प्रवासी।
दूर–दूर से पैदल चल घर को आए प्रवासी।।
भूखे पेट की आंतड़ियां चिपकाए प्रवासी।।
सुध किसी ने ना ली है दुःख पाए प्रवासी।
देश की असली तस्वीर ये दिखाए प्रवासी।।
लटक–लटक बिलखते हुए पाए प्रवासी।
जगह–जगह खुद खातर चिल्लाए प्रवासी।।
पुलिस के डंडों की मार भी खाए प्रवासी।
सरकार के रुख से बहुत पछताए प्रवासी।।
रहे कहीं के ना अब,कहाँ जाए प्रवासी।।

प्रस्तुति
कृष्ण कुमार निर्माण
(हरियाणा)

पुलिस की भूमिका

लॉकडाउन मे पुलिस अपनी भूमिका अहम रूप से निभा रही है, बदले मे हमसे हमारा सहयोग पुलिस चाह रही है।

जब से शुरू हुई है, लॉकडाउन की घड़ी,
तब से पुलिस प्रशासन की जिम्मेवारी है और भी बढ़ी,
अपने देश की जनता को, बचाने के लिए,
इस बीमारी के सामने, पुलिस अपना सीना तान कर हो गई खड़ी,
अपना फर्ज पूरी जिम्मेवारी से निभा रही है,
लॉकडाउन मे पुलिस अपनी भूमिका अहम रूप से निभा रही है, बदले मे हमसे हमारा सहयोग पुलिस चाह रही है।

हमारे लिए अपनो से दूरी बना रखी है,
रातों मे भी नाको(चौक–पोस्ट) पर, ड्यूटी लगा रखी है,
पूरी खाकी अपनी लय मे आ रही है,
लॉकडाउन मे पुलिस अपनी भूमिका अहम रूप से निभा रही है, बदले मे हमसे हमारा सहयोग पुलिस चाह रही है।

बीमारी के साथ –साथ, इन्हें मुजरिमो से भी लड़ना है,
हर एक नागरिक के साथ इन्हें खड़ना है,
आम जनता के कंधो के साथ ये अपना कंधा मिला रही है,
लॉकडाउन मे पुलिस अपनी भूमिका अहम रूप से निभा रही है, बदले मे हमसे हमारा सहयोग पुलिस चाह रही है।

हम सब भी अपना सहयोग पुलिस को दें,
वैसे ही करें, जैसे ये कहे,
अपनो के साथ, अपने घरो मे सुरक्षित रहे,
इसी को समझाने के लिए, कभी पुलिस अपनी लाठी चला रही, तो कभी गीत गा रही है,
लॉकडाउन मे पुलिस अपनी भूमिका अहम रूप से निभा रही है, बदले मे हमसे हमारा सहयोग पुलिस चाह रही है।

प्रस्तुति
अनिल धवन
सिरसा (हरियाणा)

छद्मविज्ञान : विज्ञान संचारकों के लिए एक बड़ी चुनौती

वैज्ञानिक कहते कहते थके जा रहे हैं कि कोविड 19 का कोई गारंटी सहित उपचार नहीं है मगर ये दावे हैं कि थम नहीं रहे। उपचार ही नहीं, रोगरोधी क्षमता बढ़ाने के चमत्कारिक दावे भी हो रहे हैं। मतलब जब आग लगी है तो कुएं खोदने शुरु करो। कोई योग से इम्युनिटी बढ़ाने के आसन सिखा रहा है। कोई तरह तरह के अवलेह और माजूमों की पेशकश कर रहा है। अपने योगगुरु ने तो कई चैनल ही हथिया लिये हैं। हालांकि आयुर्वेद को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का उनका योगदान अतुलनीय है किन्तु कोविड 19 को ठीक करने के उनके दावे बचकाने लगते हैं और वे यह जानकर भी अपने भक्तजनों को बरगला रहे हैं।

जब भी जानलेवा रोगों का दौर आता है अचानक ही ढेर सारे उपचार के नुस्खे पेश कर दिये जाते हैं। शर्तिया इलाज के दावे ठोक दिये जाते हैं। वैश्विक महामारी कोविड 19 के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। कई पैथियां जैसे नेचुरोपैथी, होम्योपैथी, खरबिरईया इलाज के लिये आ जुटी हैं और आम जनता भ्रमित है। कोई मूत्र चिकित्सा को आजमाने को कह रहा तो कोई ब्लीचिंग घोल को ही गटक लेने की सलाह दे रहा है। कोई इलाज के बहाने शराब की मस्ती में झूम लेना चाहता है। यह तो ऐसा ही है कि जैसे दवा के नाम पर जहर देने वाले चारागरों की बन आई है।

वैज्ञानिक कहते कहते थके जा रहे हैं कि कोविड 19 का कोई गारंटी सहित उपचार नहीं है मगर ये दावे हैं कि थम नहीं रहे। उपचार ही नहीं, रोगरोधी क्षमता बढ़ाने के चमत्कारिक दावे भी हो रहे हैं। मतलब जब आग लगी है तो कुएं खोदने शुरु करो। कोई योग से इम्युनिटी बढ़ाने के आसन सिखा रहा है। कोई तरह तरह के अवलेह और माजूमों की पेशकश कर रहा है। अपने योगगुरु ने तो कई चैनल ही हथिया लिये हैं। हालांकि आयुर्वेद को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का उनका योगदान अतुलनीय है किन्तु कोविड 19 को ठीक करने के उनके दावे बचकाने लगते हैं और वे यह जानकर भी अपने भक्तजनों को बरगला रहे हैं। यह आपराधिक है। हां, यदि वे मुंबई की झोंपड़पट्टी में इन दिनों कुछ दिन गुजार कर सही सलामत लौट आयें तो उनके दावे स्वयं प्रमाणित हो लेंगे मगर क्या वे ऐसा करेंगे?ऐसे समय विज्ञान संचारकों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है जो इस इन्फोडेमिक के माहौल में आम लोगों को आगाह करें कि क्या सही है क्या गलत है। क्या उपयोगी है, प्राण रक्षक है और क्या कोरी बकवास? यह समय उनके लिये चुप रहने का नहीं है और न ही आलतू फालतू बकवास को सहने का समय है। यह जीरो टालरेंस का समय है। यह तुरन्त प्रतिवाद का समय है। मिथ्या दावों के विरोध का समय है। नहीं तो ऐसे इलाज के फेर में हुई जनहानि की कुछ नैतिक जिम्मेदारी उनकी भी होगी।

याद है ईरान में महामारी के शुरुआती संक्रमण में कई सौ लोग जहरीली शराब पीकर काल कवलित हो गये थे क्योंकि तब यह दावा जोरों पर था कि शराब कोविड 19 को ठीक कर सकती है। यह एक अफवाह थी जो जरुर किसी पियक्कड़ ने उड़ाई थी। भोले लोग इसे सच मान बैठे। हमारे योग मनीषी और गाडमैन भी इन दिनों ऐसे ही बेसिरपैर की हांक रहे हैं जिस पर ज्यादा ध्यान न देकर मास्क, सोशल डिस्टैंसिंग, क्वैरेन्टीन, साबुन या सैनिटाइजर से हाथ धोने के सुझाव जो सौ फीसदी कारगर हैं, पर ही भरोसा करने की जरूरत है।

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में कोविड 19 को ठीक करने के अजीबोगरीब दावे हुये हैं। ओहियो की क्लीवलैंड क्लीनिक इसके उपचार में रीकी पद्धति को आजमा रही है जिसमें बिना रोगी के स्पर्श के रीकी साधक हाथों के जरिये प्राण ऊर्जा के प्रवाह से उसे ठीक करने के प्रयास में जुटा है। यह एक अवैज्ञानिक पद्धति है। ऐसे ही होम्योपैथी के दीवाने भी कुछ औषधियों के कारगर होने की वकालत कर रहे हैं। इन सब से कई दूसरी बीमारियां प्लेसेबो प्रभाव से भले ठीक हो लें मगर कोविड के मामले में इनका प्रोत्साहन जानलेवा हो सकता है मगर इनकी चांदी इसलिये भी होती है कि कोविड जैसी वैश्विक महामारी में भी अमूमन पंचानवे या और अधिक फीसद लोग अपनी सहज इम्युनिटी से ही ठीक हो जाते हैं।

मजे की बात है कि झूठे उपचारों के साधक एक ऐसी संचार भाषा को आजमाते हैं जिसकी शब्दावलियां वैज्ञानिक जगत की होती हैं। बाबा जी भी धड़ल्ले से ऐसा करते हैं। वे ऐसा अपने बिक्री प्रोडक्ट – औषधियों को स्वीकार्यता बढ़ाने के उपक्रम के बतौर करते हैं। विज्ञान संचारक थिमोथी कौलफील्ड इसे साईंसप्लायटेशन कहते हैं यानी विज्ञान का नाम बदनाम करने की मुहिम।दुखद आश्चर्य यह भी कि इस हिकमत का उपभोक्ता पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। होम्योपैथी और ऊर्जा चिकित्सा के दावेदार अपने समर्थन में क्वांटम फिजिक्स की शब्दावली का उदारता से इस्तेमाल करते हैं। स्टेम सेल रिसर्च, माइक्रोबायोम, पैथोलाजी आदि का उनका ज्ञान अधजल गगरी सदृश्य ही होता है। यहां इन क्षेत्रों के वैज्ञानिकों और विज्ञान संचारकों से अपील है कि वे सामने आयें और इन झूठे दावों का खंडन करते रहें।

वैज्ञानिक पत्राकारों की भी एक टीम भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में सक्रिय है जो ऐसे दावों के खंडन के बजाय कभी कभार इनके मंडन पर आ उतरती है। ये भी छद्म वैज्ञानिकों से कम खतरनाक नहीं हैं। इनमें से कुछ तो वैक्सीनेशन, लाकडाउन, क्वैरेन्टीन तक को कठघरे में खड़े कर रहे हैं और यह बहुत निराशाजनक परिदृश्य है। कहने को तो वे वैज्ञानिक पत्राकार हैं मगर काम ठीक उल्टा कर रहे हैं। ऐसे में सही विज्ञान संचारकों को मुखर होने की जरुरत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बीजेपी का राहुल...

इससे पहले राहुल गांधी ने कोरोना के मुद्दे पर दुनिया के दो जाने–माने स्वास्थ्य विशेषज्ञों आशीष झा और जोहान गिसेक से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बात की। दोनों ने कहा कि कोरोना वायरस अगले साल तक रहने वाला है और भारत में लॉकडाउन में लचीलापन लाने एवं आर्थिक गतिविधियां आरंभ करते समय लोगों के बीच विश्वास पैदा करने की जरूरत है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद के दौरान दोनों विशेषज्ञों ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोरोना के संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए बड़े पैमाने पर जांच की जाए और बुजुर्गों, गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों एवं अस्पतालों में मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

वहीं, लॉकडाउन से जुड़े राहुल गांधी के एक सवाल के जवाब में झा ने कहा कि सरकारों को रणनीति बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अच्छी बात यह है कि उसके पास बड़ी संख्या में नौजवान आबादी है जिसके लिए कोरोना घातक नहीं होगा। बुजुर्गों और अस्पतालों में भर्ती लोगों का ख्याल रखना होगा।

प्रवासी श्रमिकों...

स्किल मैपिंग करवाने के निर्देश किए थे, ताकि दक्षता के अनुसार उनके स्थायी रोजगार की व्यवस्था की जा सके। यूपी सरकार स्किल ट्रेनिंग देने के बाद इन मजदूरों को रेडिमेड गारमेंट्स, खाद्य प्रसंस्करण, गो आधारित उत्पाद, फूलों की खेती और फूलों से बनने वाले उत्पादों से जुड़े उद्योगों में रोजगार देने का प्लान बना रही है।

योगी सरकार ने घर लौटे प्रवासी मजदूरों के लिए सस्ती दरों पर दुकानें और घर मुहैया कराने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अर्थव्यवस्था में श्रमिकोंध कामगारों व शहरी निर्धन लोगों की अहम भूमिका है। अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स स्कीम से झुग्गी बस्तियों व अनियोजित अवैध कालोनियों की समस्या का भी समाधान होगा। हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के लिए जमीन चिह्नित की जाए और निर्माण के समय जरूरी व्यवस्थाएं व बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कर लें। भवनों को भी चिह्नित किया जा सकता है जिनका ग्राउंड फ्लोर छोड़कर पहले, दूसरे या अन्य तलों पर रेंटल कॉम्प्लेक्स बनाए जा सकते हैं। स्थानीय जरूरतों के हिसाब से फैसले लें।

सारा सच PRESENT हमारीवाणी YOUR VOICE ON MIC
www.sarasach.com
SHOW YOUR TALENT
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 2 ◆अंक : 44 ◆ वीरवार 28 मई से 3 जून 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
पदमा ओजेंद्र तिवारी
(मप्र)

प्रवासी

क्या कहूं दर्द है कितना
प्रवासियों को देखा नहीं जाता
हो रहा वापस शहर से गांव
वह तो बैठ कर रो भी नहीं पाता।।

कितनी स्थिति गंभीर है
देख रहे इनकी तस्वीरें
इतनी कड़ी धूप में चल रहे
कैसी इनकी तकदीरें।।

सिर पर रख सामान
दोनों हाथों से बच्चों को पकड़े
पीछे पत्नी पैदल चलती
देखकर होते दिल के टुकड़े टुकड़े।।

कैसी आपदा ये आई है
छिन गई प्रवासियों की रोजी रोटी
गांव से गए थे शहर कमाने
वह भी छिन गई 2 जून रोटी।।

शरीर पसीने से लथपथ
पैरों में पड़ गए हैं छाले
नहीं है पहनने को चप्पल
प्रवासी हूं मुंह पर पड़े हैं ताले।।

नवजात शिशु को बांध पीठ पर
चल रही अबला नारी हूं
दूध तो क्या नहीं मिल रहा पानी
हालातों कि मैं मारी हूं।।

प्रवासियों का दर्द

किस्मत ने कहर ढाया ही है,
हम पर यूं लाठियां न बरसाओ साहब !
कैसे जी रहे रोज मर–मर के
एक दिन संग जीने के लिए आओ साहब !!

पता है सत्ताधीशों के आदेशों से
आकार पाती है पुलिस की भूमिका,
सदा से वे कसम खाते हैं अपनी मातृ–भूमि का!
पर क्या होगा हम प्रवासियों के घर का,अपनी भूमि का !!

हम मानते हैं अच्छा है सरकार का काम,
पर पावों के लहूलुहान छाले ही हैं क्या मजदूरों के इनाम ?
जो पूंजीपतियों के महलों के लिए लगा देते अपनी जान,
अपनी झोपड़ियों तक कम से कम हमें जिंदा पहुँचाओ साहब !

काश !पहली बार में ही हमें पूरा प्रोग्राम बता देते,
कम से कम घरबंदी के पहले घर पहुँचा देते,
और कुछ नहीं दिन–रात हम आपको दुआएं देते,
दर–दर हम भटक रहे,हालत देखने तो आओ साहब !

घर में बिलख रहे परिवारवाले,
दो जून की रोटी के लिए मई–जून में पड़े हैं लाले,
तालाबंदी में हमारी किस्मत में भी लटक रहे हैं ताले,
कोरोना से पहले भूख से मरने से बचाओ साहब !

जहाँ से गुजरते हैं लोग कुत्तों–सा दुत्कारते हैं,
कभी पुलिसवाले डंडा कभी शहरवाले ताना मारते हैं,
भेड़–बकरियों–से लदकर तो कभी क्वारंटाइन में दिन गुजारते हैं,
प्रवासी नहीं गांव का निवासी बनाकर हर श्टेस्टश करवाओ साहब !

रास्ते में खून से लथपथ हमारा प्रसव होता है,
जन्मा हुआ बच्चा भी नर्स नहीं देखकर रोता है,
हमारे भाई गर्भवती भाभियों को कभी लाश–सा कन्धों पे उठाते हैं
रास्ते में दो रोटी देनेवाले भी दो सौ फोटो खींच चले जाते हैं !

मदद के लिये नेताओं–बाबुओं को भिजवाओ साहब !
यूं सर्कस के जानवरों–सा हमें अनुभव न करवाओ साहब !!

प्रस्तुति
दीपक क्रांति
(झारखण्ड)

प्रस्तुति
डा. गीता शर्मा
(छत्तीसगढ़)

वसुधा

'उत्तिष्ठ जन–गण' ,
'उत्तिष्ठ जनतंत्र'
'पुकारती है वसुधा तुम्हें'

'बह रही अराजकता की धारा'
'सुसुप्त है संप्रभुता भी'

'जल रहा जन'
'और जल रहा जनतंत्र भी'
'शब्द–भेदी बाणों से'
'नारी ,बच्चे और बच्चियां'
'सब जल रहे है'

'सोचा कभी'!
'कौन जल रहा है'
'जल रही है केवल मेरी वसुधा'

'संपूर्ण जगत है मेरा'
'सब है मेरी वसुधा'

'अयं निजः परोवेतिश'
'नही दी सीख ऐसी'
'न यह संस्कृति है मेरी'

'फिर ,भेद तुम करते क्यों'
'मां है वह हमरी'
'और तुम्हारी'

'क्यों जलाते हो उसको'
'कौन पोंछेगा वसुधा के आंसू'
'कौन मिटाएगा दाग उसका'

'खो दी है तुमने मनुष्यता'
'नहीं खोया कोई भाव वह'

'सिसक रही मेरी वसुधा'
'तड़प भी रही है मेरी वसुधा'
'और बिलख भी रही है वह'

'कितने घावों से भरी है मेरी वसुधा'
'करो जतन अपनी वसुधा का'
'मिटा दो तुम द्वैत भाव'
'धरा है तो तुम हो'
'वसुधा न होगी तो',
'तो तुम कौन'
'और मैं कौन'
'न तुम होगे'
'न होगी मानवता'
यही समझाने तो आयी हूं'
'मैं वसुधा'!!मैं वसुधा'!! 'मैं वसुधा'

पुलिस की भूमिका

सरकार सभी कानून बनाती है
पुलिस अमल उस पर करती है।
सरकार कानून न्याय के साथ
पुलिस की भूमिका अहम रहती है ।

कानून व्यवस्था बनाये रखना
पुलिस की यही नौकरी होती है ।
आम जनता तो पुलिस के भय है
सहमी सहमी सी हमेशा रहती है ।

कोर्ट कचेहरी थाने से हमेशा ही
आम जनता भयभीत रहती है।
लांक डाउन में उसी पुलिस पर
ईंटा और पत्थर जनता मारती है।

दिल्ली में भी एक घटना हुई थी
बकीलों ने पुलिस को मारा था ।
पुलिस वहां न्याय मांगती थी
ऐसा भी एक समय आया था ।

सिपाही हवलदार ड्यूटी करते है
अफसर तो बस आदेश देते हैं ।
मार पड़े चाहे घायल हो जाये
अनुशासन में हमेशा ही रहते हैं ।

कानून व्यवस्था बनाये रखने में
हर कारगर कदम भी उठाते हैं ।
कहीं जरूरत भी पड़ जाये तो
बेरहमी से लाठी चार्ज भी करते हैं ।

पुलिस चाहे जो कुछ भी कर ले
आम जनता भयभीत रहती है ।
थाने में जो पहुंच जाए फिर
थाने की रिश्वत देनी पड़ती हैं ।

पुलिस की भूमिका संदिग्ध रहती है
दोनों पक्षों से तो मिली रहती है ।
एफ आई दर्ज कराना मुश्किल है
अपराध तो पुलिस ही बनाती है ।

भ्रष्टाचार सभी जगह होता है
पैसों का सबको लालच होता है ।
भ्रष्टाचार की रिपोर्ट दिखाओ
पुलिस थाने में भी पैसा लगता है।

प्रस्तुति
अनन्तराम चौबे
अनन्त (मप्र)

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 44 ◆ वीरवार 28 मई से 3 जून 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
अमित राज
नालन्दा, (बिहार)

गरीब और कोरोना

है त्रस्त आज पूरा देश, कोरोना बीमारी से,
गरीब लड़ रहा कब से, अपनी लाचारी से।
निकला घर से मजदूरी कर दो रोटी कमाने को,
अपने हीं देश में हुआ, अब प्रवासी कहलाने को।
जैसे तैसे कर के कहीं भी, चल रहा था जीवन,
देशव्यापी बंद ने किया घायल उसका तन मन ।
न खरीदारी को पैसे हैं, न अब खाने को भोजन।
चल पड़े पैदल घर को, तय कर कितने योजन।
पड़ गए पाँवों में छाले, चली गई कितनी जानें,
कहीं पुलिस ने किया मदद, कहीं लगी लाठियाँ बरसाने।
मत घबरायें कोई भी सरकार ने दिया आश्वासन,
जुटाएंगे यात्रा के साधन, सबको देंगे हम भोजन।
भूख माने नहीं दिलासा से, चाहे है वो केवल अन्न,
कई मदद को आगे आये, जो हैं सदा सुखी संपन्न।
सदा की भाँति सरकार ने दिया मदद पर देर से,
धीरे धीरे निकल रहे सब, इस भयानक अंधेर से।
आशा है सब हो जायेगा ठीक, आगामी दिनों में,
लौट आएगी फिर से खुशियाँ, कुछ हीं महीनों में।

प्रवासी

प्रवासी शब्द का अर्थ वास्तव में प्रवास करनेवाला हैं. सर्वप्रथम तो प्रवासी शब्द एक शहर से दूसरे शहर प्रवास करना था.अत्यंत संकुचित रहनेवाले इस शब्द की व्यापकता बढ गई.शब्द के साथ – साथ शहर,और देश की व्यापकता बढ गई.फिर प्रवासी शब्द का दायरा उदात्त हो गया,प्रवासी के साथ एक दूसरा और महत्वपूर्ण शब्द हैं प्रवासी साहित्य.अपने मुल्क को छोडकर दूसरे मूल्क में जाना ही प्रवासी साहित्य कहलाया.जहाँ – जहाँ भारतवंशियों ने प्रवास किया वहाँ वहाँ उन्होंने अपनी बोलियाँ,और भारतीयता की छाप छोडते गए. इन्हीं बोलियों ने प्रवासियों के दु:ख को दर्द एवं संघर्षगाथा को सबके सामने रखने में सहायता की. संघर्ष्गाथा का यह यथार्थपरक चित्रण कविता एवं कहानियों के द्वारा उभरकर आता है.डॉ.विजया सति का कथन हैं कि भारतीय रचनाओं द्वारा प्रवास में किया गया लेखन भारतीय जनमानस के लिए जैसे एक नई दुनिया का प्रवेश द्वार होता हैं.प्रवासी हिन्दी कहानियाँ न केवल कथाकार के जीवन के नए परिदृश्य से हमारा परिचय कराती हैं बल्कि मनुष्य मात्र से जुडे तमाम प्रश्नों,जिज्ञासाओं,जटिलताओं विविधताओं,जीवन शैलियों का भी साक्षात्कार कराती हैं. प्रवासी साहित्य आज समस्त मानव जगत का उद्घाटन करवाता हैं.मूलत: प्रवासियों की संघर्षगाथा को अभिव्यक्त किया हैं, केवल कहानी,कविता के पश्चात साहित्य की सभी विधाओं में प्रवासी साहित्य लिखा जाने लगा.खास तौर पर प्रवास वर्णन की यथार्थता भारतियों के प्रवास की दयनीय स्थिति का साक्षात्कार करवाता है.

डा. रूपाली दिलीप चौधरी
(महाराष्ट्र)

प्रवासी

प्रवासी अपनों से दूर, आजीविका के लिए चले जाते हैं ।
अपनी मिट्टी की खुशबू को भारतीय संस्कारों से सींचते हैं ।।
अपनी भाषा और संस्कारों पर बहुत गर्व करते हैं ।
विदेशों में बिखेर भारत की खुशबू अजनबी प्रवासी बन जाते हैं ।।
अनकहे भावों को सुन्दर शब्दों की बांसुरी में गाते हैं।
प्रकृति के प्यार में भारतीय संस्कारों की तान सुनाते हैं ।।
प्रवासी छवि को अपनी अनुभूतियों से मन के कैनवास पर उतारते हैं ।
सुसुप्त से स्वप्न की तरह प्रवासी अपनी धरा से जुड़े रहते हैं ।।
अपनी पंरम्पराओ के अस्तित्व को प्रवासी मन में समेटे रहते हैं ।
प्रवासी पक्षियों की तरह अपनी भूख मिटाने कोसों दूर चले जाते हैं ।।
प्रवासी सात समंदर पार भी अपनी धरती माँ की लाज बचाते हैं ।।

प्रस्तुति
डा. रामचन्द्र स्वामी
(बीकानेर)

प्रस्तुति
गौरव सिंह घाणेराव
(राजस्थान)

पुलिस की बात

सर्दी न देखे बरसात न देखे
देखे न सुकून की रात,
गर्मी के लू थपेड़ो से भी
करते ये दो दो हाथ।
हर वार त्यौहार पर
देते आमजन का साथ,
यहाँ और किसी की नही हो रही
हो रही भैया पुलिस की बात।

कोरोना से निडर हो लड़ते,
देशहित में जीते और मरते।
लॉक डाउन को ये सफल बनाते,
महामारी में ढाल बन जाते।
लाठी भी बरसाते तो क्या,
हित हमारा ही तो चाहते।
सड़को पर गुजारते दिन रात,
हो रही भैया पुलिस की बात।

पुलिस के ही तो सहयोग से,
हम जीते है सीना तान।
आओ साथियो करे जरा,
हम इन भाइयो का सम्मान।
सुमेरपुर के बने रक्षक देखो,
आम आदमी का स्वाभिमान।
इनके ही तो त्याग तप से,
कोविड में सामान्य हालात।
आप पीड़ा सह दे,खुशियो की सौगात,
और किसी की नही हो रही,
हो रही भैया पुलिस की बात।

कर्तव्य निर्वहन में जो
समझे अपनी शान,
जिसके लिए सब एक से
हिन्दू या मुसलमान।
देश की खातिर जो
करते जान भी कुर्बान
उनके लिए जी चाहता है,
करे कोटि कोटि सम्मान।
करे लख लख बहुमान।।

प्रवासी

दर्द में जो कराह रहा,भूखा पेट,आती खांसी,
चैन कहीं नहीं मिलता,कहलाते हैं वो प्रवासी।
शेल्टर होम में ठहरते,बिताई निज जिंदगानी,
मजदूरी भी नहीं मिली,उसको हुई अति हानि।
वापस जाना चाहते थे,मिले ना उनको सा धन,
कमा कमाकर मर गये,खर्च हो गया सारा धन।
उनके दुख दर्द को देख,कोई सामने नहीं आया,
कहीं भी गये दर्द मिले,चौन उन्हें ना मिल पाया।
महामारी के चलते ही, दर्द ने दिन रात सताया,
कभी सड़कों पर सोते,नहीं कोई तरस खाया।
बहुत बड़ा दर्द सहा है,कैसे उनका चले जीवन,
धन्य धन्य उनके आंसू ,कहलाते हैं अति पावन।
यूपी–बिहार राजस्थान, और मध्य प्रदेश आना,
भारी पड़ गया कोरोना, प्रदेश से वापस जाना।
प्रदेशों से यहां वे आए,कहलाते हैं वो प्रवासी,
कोरोना की मार पड़ी,दुष्ट को आई थी हांसी ।
रोग भी आंसू दे गया है,जो खत्म नहीं हो पाये,
कितनों के घर अंधेरा,कितने वापस नहीं आए।
प्रभु दो शक्ति कमाने की, दो रोटी रोजी आधार,
ये भी बच्चे तुम्हारे दाता,दो इनको कुछ प्यार।

प्रस्तुति
होशियार सिंह यादव
(हरियाणा)

फिल्मी दुनिया

हीरोपंती 2 से कृति सेनन का पत्ता साफ?

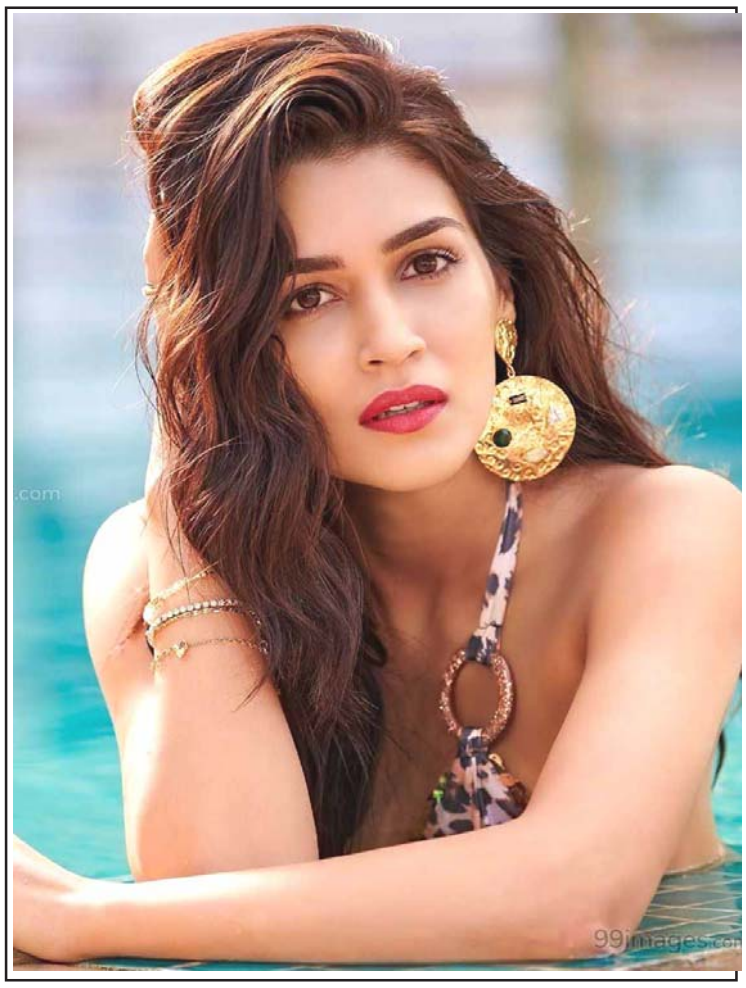

टाइगर श्रॉफ स्टूडेंट ऑफ द ईयर (69.11) और 'वार' (317.91) जैसी फिल्मों में कुल कमाई 387.02 करोड़ के साथ तीसरी पोजीशन पर हैं। उनके बाद सलमान खान 'भारत' (211.07) और 'दबंग 3'(142.24) जैसी फिल्मों में कुल कमाई 352.31 करोड़ के साथ चौथी पोजीशन पर हैं।

टाइगर श्रॉफ ने कृति सेनन ने 'हीरोपंती' (2014) के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह कृति सेनन की भी डेब्यू फिल्म थी। इसमें इन दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। अब 'हीरोपंती' पार्ट टू की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है।

जब एक प्रेस वार्ता के दौरान टाइगर से पूछा गया कि क्या इस बार भी उनके अपोजिट इसमें कृति सेनन ही होंगी? तो इसके जवाब में टाइगर ने जो कुछ कहा वह हैरान कर देने वाला था। उनकी बात सुनकर सबसे ज्यादा हैरानी तो कृति को हुई और उन्होंने तत्काल रिएक्ट करते हुए यहां तक कह दिया कि क्या बकवास है।

दरअसल टाइगर का कहना था कि 'मैं कृति के साथ काम करना पसंद करूंगा लेकिन अब वह मेरे जैसे किसी शख्स के साथ काम करने के लिए काफी बड़ी स्टार हैं'।

टाइगर श्रॉफ के इस बयान पर कृति सेनन ने जवाब देते हुए ट्वीट किया कि 'इस तरह की बात वह शख्स कह रहा है जिसकी फिल्में 100 करोड़ से कम का कलेक्शन नहीं करती। हाहाहाहा.....। क्या बकवास है। टाइगर तुम बस कहो कि कौनसी फिल्म और कब करनी है, मैं हमेशा इसके लिए तैयार हूं। वैसे बहुत वक्त हो चुका है जल्दी ही मेरे साथ कोई फिल्म करो।

टाइगर आखिरी बार 'बागी 3' में नजर आए थे। भले ही इस फिल्म को पसंद नहीं किया गया लेकिन टाइगर के फैंस की वजह से फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक बहुत अच्छी शुरूआत की थी। यह तय था कि यदि लॉक डाउन न लगा होता तो यह फिल्म लगभग 150 करोड़ का बिजनेस अवश्य करती। टाइगर इस बात से बेहद दुखी हैं कि कोविड 19 लॉकडाउन के चलते उनकी इस फिल्म को अचानक सिनेमाघरों से उतरना पड़ा। फिल्म के निर्माता असमंजस में हैं कि लॉक डाउन खुलने पर फिल्म को फिर से सिनेमाघरो में रिलीज किया जाये या फिर ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज किया जाये।

वैसे काफी मुश्किल नजर आता है कि टाइगर की इस फिल्म को दोबारा रिलीज के लिए कोई डेट और थियेटर खाली मिल पाएं। अभी तो यह ही तय नहीं है कि सिनेमाघर कब खुलेंगे और यदि खुलेंगे भी तो क्या दर्शक पहले की तरह आएंगे।

इस बीच टाइगर श्रॉफ घोषणा कर चुके हैं कि 'बागी 4' बहुत जल्द बनेगी। इसमें कोई शक नहीं कि अपने छोटे से कैरियर में एक सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर उन्होंने सभी को बुरी तरह चौंका दिया है।

टाइगर श्रॉफ ने एक एक्शन स्टार के तौर पर अपनी बेहद शानदार इमेज बनाई है। नौजवान दर्शकों पर उनकी मजबूत पकड़ है। बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म सफलता की गारंटी मानी जाने लगी है। ऐसे में यदि उनकी को स्टार कृति को टाइगर की बात बकवास लगती है तो कुछ गलत भी नहीं है।

कृति सेनन ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिमी' की शूटिंग पूरी कर ली है। इसमें वह एक सरोगेट मदर का किरदार निभा रही हैं। वह पूरी तरह 'हीरोपंती 2' के निर्माताओं के लिए उपलब्ध हैं लेकिन लगता है कि इस बार वह इसका हिस्सा शायद ही बन सकें क्योंकि टाइगर इसके लिए दिशा पटानी को लिए जाने का मन बना चुके हैं। हो सकता है कि लॉक डाउन खुलते ही इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी हो जाये।

खुद को ऑडियंस का ऋणी मानते हैं वरूण धवन

शशांक खेतान की अनटाइटल्ड फिल्म में वरूण के अपोजिट भूमि पेडनेकर के होने की उम्मीद की जा रही है। कहा जा रहा है कि रोमांटिक फैमिली ड्रामा बेस्ड इस फिल्म में कियारा आडवानी भी एक बेहद महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगी। वरूण धवन नताशा दलाल के साथ काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। कैरियर शुरू करने से पहले दोनों एक दूसरे को डेट करते आ रहे हैं। दोनों की शादी की डेट भी फिक्स हो चुकी थी लेकिन कोरोना वायरस लॉक डाउन के कारण वरूण को अपनी शादी पोस्टपोन करनी पड़ी। 'जुड़वां 2' में वरूण धवन ने अपने डैडी डेविड धवन के साथ दूसरी बार काम किया लेकिन वरूण का कहना है कि उन्हें फिल्म की शूटिंग के दौरान पता नहीं ऐसा क्यों महसूस होता रहा जैसे वह पहली बार अपनी डैडी के साथ काम कर रहे हैं।डेविड धवन की कोई भी फिल्म हो, वो इमोशंस और स्टोरी टेलिंग पर काफी अधिक फोकस करते हैं। शूटिंग के वक्त सेट पर वह सिर्फ एक डायरेक्टर होते हैं। वह यह बिलकुल भूल जाते हैं कि वह अपने बेटे को डायरेक्ट कर रहे हैं। सैट पर उनका एक बिलकुल ही अलग अंदाज होता है। वरूण धवन का कहना है कि उनके डैडी के पास 44 फिल्में डायरेक्ट करने का एक्सपीरियंस है। वे कलाकारों से ऐसा काम निकलवाते हैं जो कोई दूसरा निर्देशक नहीं निकाल सकता। इस मामले में वरूण खुद को काफी अधिक खुश किस्मत मानते हैं कि वह एक ऐसे शख्स के बेटे हैं। वरूण धवन को लगता है कि उन्होंने 'बदलापुर' के बुरे केरेक्टर में सबसे अच्छा काम किया था। फिल्म में उनका केरेक्टर इतना बुरा था कि जिसे देखकर अच्छाई भी शरमा जाये। वरूण धवन को दर्शकों का जो प्यार मिला और मिल रहा है, उसे पाकर वह खुद को धन्य महसूस करते हैं।

करेला आपकी त्वचा को भी बनाता है बेदाग

डार्क सर्कल हटाने के लिए शायद आप आंखों के नीचे खीरे का रस लगाती होंगी, लेकिन क्या आपको पता है कि करेले और खीरे का फेस पैक लगाने से आपकी त्वचा एकदम साफ और बेदाग बनती है। यह फेस पैक बनाने के लिए आधे खीरे और करेले को काटकर मिक्सर में पीस लें।

स्वास्थ्य

करेला सेहत के लिए बहुत हेल्दी होता है, लेकिन इसका कड़वा स्वाद कम ही लोगों को भाता है। करेला खून साफ करता है जिससे चेहरे पर पिंपल्स आदि नहीं होते हैं, लेकिन जो लोग करेला खाना पसंद नहीं करते है इसे सीधे चेहरे पर भी लगा सकते हैं। कैसे? जानिए यहां।आपने दही, हल्दी, बेसन और टमाटर से तो बहुत फेसपैक बनाए होंगे लेकिन अब करेले से फेस पैक बनाइए और अपने चेहरे को दीजिए बेदाग खूबसूरती।

इन तीनों चीजों का कॉम्बिनेशन न सिर्फ आपकी त्वचा का मॉइश्चराइज करता है, बल्कि झुर्रियों से भी बचाता है इसे बनाने के लिए। 1 चम्मच करेले के रस में 1 चम्मच दही और 1 अंड़े की जर्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर गर्दन पर लगाकर करीब 20–25 मिनट के लिए सूखने दें। फिर चेहरे पर थोड़ा पानी लगाकर धीरे–धीरे रगड़कर इसे छुड़ाएं और गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

डार्क सर्कल हटाने के लिए शायद आप आंखों के नीचे खीरे का रस लगाती होंगी, लेकिन क्या आपको पता है कि करेले और खीरे का फेस पैक लगाने से आपकी त्वचा एकदम साफ और बेदाग बनती है। यह फेस पैक बनाने के लिए आधे खीरे और करेले को काटकर मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 10–15 मिनट बाद पानी से धो लें।

यदि आपकी स्किन ऑयली है और आप पिंपल्स से परेशान रहते हैं तो यह स्क्रब आपके बहुत काम आएगा। एक करेले को काट लें और इसमें संतरे के सूखे 4–5 छिलके डालकर मिक्सर में दरदरा पीस लें। इस मिश्रण में बेसन या थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी मिलाकर स्क्रब बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर कुछ देर रहने दें, फिर धीरे–धीरे इसे स्क्रब की तरह रगड़ें और पानी से चेहरा धो लें। आपके चेहरे से पिंपल्स और दाग–धब्बे दूर हो जाएंगे।आपने ये कहावत तो सुनी ही होगी 'एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा' भले ही लोगों को अपने ऊपर कही ये कहावत पसंद न आती हो, लेकिन आपकी त्वचा के लिए इन दोनों चीजों का मिश्रण बहुत फायदेमंद होता है। नीम में एंटीऑक्सीडेंट होता जो चेहरे को मुंहासों से बचाता है। इसे बनाने के लिए 1 करेला, मुट्ठी भर नीम के पत्ते और 1 चम्मच हल्दी को मिक्सर में एकसाथ पीस लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

सारा सच हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / सदस्यता हेतु फार्म

नाम : .....

पता : .....

शहर : .....पिन : .....

फोन : ..... मोबाइल :.....

ईमेलः .....

समयावधि : एक वर्षः 100/–.....तीन वर्ष : 300/– .....

पांच वर्ष : 500/–.....आजीवन : 3000/– .....

भुगतान : नकद .....डीडी/चैक.....

नोट : वर्ष एक/तीन/पांच की सदस्यता के लिए डीडी/चैक पर 50/–अतिरिक्त बैंक चार्ज जोड़कर देना होगा।

फार्म साफ साफ भरकर सारा सच अपडेट के नाम डीडी/चैक के फार्म के साथ निम्न पते पर भेजे या कैश आफिस में जमा कराएं, फार्म आप www.sarasach.com/join-us/ से कापी कर सकते हैं।

पता : 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, नियर ज्ञान कुंज कालोनी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92

ई–मेल & sarasach786@gmail.com, info@sarasach.com

मोबाइल : 9990007067

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.

Laxmi Nagar, Delhi-110092

Mob :9999839708, 8527362212

डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष चुना जाना 135 करोड़ देशवासियों का सम्मान है: डा हर्षवर्धन

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के कार्यकारी बोर्ड का का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद डा हर्षवर्धन ने कहा कि आज 135 करोड़ देश वासियों सहित मेरे लिए यह बेहद सम्मान और गौरव के पल हैं द्य मेरे प्रति सभी के विश्वास और भरोसे के लिए भी मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, भारत और सभी देशवासी भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि यह सम्मान समस्त देशवासियों को मिला है।

बोर्ड की 147वीं बैठक को संबोधित करते हुए डा हर्षवर्धन ने कहा कि मौजूदा कोविड 19 संकट में वैश्विक संसाधनों के बेहतर समन्वय से मृतकों की संख्या घटाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन अधिक प्रभावी काम कर सके इसके लिए लिए मैं सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करूंगा।

इससे पहले डा हर्षवर्धन ने WHO के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ हिरोकी नाकातानी जी से पदभार संभाला और उन्हें संगठन की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए दिल से आभार व्यक्त किया।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुए बैठक में जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ अधिकारी जिनेवा से शरीक हुए। वहीं अन्य देशों के नेता और तकनीकी जानकार भी अपने अपने देशों से शामिल हुए।

चुनाव के बाद कार्यकारी बोर्ड को संबोधित करते हुए डा हर्षवर्धन ने कोरोना महामारी के दौरान प्रभावी उपायों के लिए वैश्विक प्रयासों और सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि सभी सदस्य देशों और साझा हित रखने वाले पक्षों के बीच निरंतर तालमेल से ही स्वास्थ्य सुधारों को मजबूत किया जा सकेगा। वहीं

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है कि संसाधनों का अधिक उत्पादक, कुशल और लक्षित उपयोग किया जाना चाहिए। डा. हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया में मौजूदा स्वास्थ्य प्रणालियों की कमजोरियां उजागर करने के साथ ही दिखा दिया है कि स्वास्थ्य तैयारियों की अनदेखी के परिणाम कितने गंभीर हो सकते हैं। लिहाजा वैश्विक संकट के ऐसे समय में, जोखिम प्रबंधन और उन्मूलन दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है। वैश्विक स्तर पर लोक स्वास्थ्य पर ध्यान देने और अधिक निवेश के लिए साझेदारी को अधिक मजबूत बनाना होगा।

बैठक में दिए अपने पहले अध्यक्षीय भाषण को खत्म करने से पहले डा हर्षवर्धन ने दुनियाभर में कोरोनावारियर्स और उनके परिजनों के लिए स्टैंडिंग ओवेशन दिया। वहीं जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य संगठन निदेशक डॉ टेडरॉस और उनकी टीम भी खड़ी होकर तालियां बजाती रही। WHO का कार्यकारी बोर्ड 34 तकनीकी रूप से योग्य सदस्यों से बना होता है। बोर्ड का मुख्य काम विश्व स्वास्थ्य सभा के निर्णयों और नीतियों को लागू करना है। साथ ही बोर्ड विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी दिशा निर्देशन करता है।

डा हर्षवर्धन ने बताया कि WHO इस सिद्धांत में विश्वास करता है कि स्वास्थ्य के उच्चतम मानक का लाभ जाति, धर्म, राजनीतिक विश्वास, आर्थिक या सामाजिक स्थिति के भेद के बिना हर मनुष्य के मौलिक अधिकारों में से एक है। इसलिए हम सदस्य देशों के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य दायित्वों के कुशल, प्रभावी और उत्तरदायी निर्वहन के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह मौलिक विश्वास हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे।इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले समय में हम सभी मिलजुलकर WHO के माध्यम से दुनिया के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में नए आयाम हासिल करेंगे।

नोएडा का सबसे बड़ा कोविड-19 अस्पताल 15 जून से हो सकता है शुरू

नोएडा । नोएडा सेक्टर–39 स्थित नए जिला अस्पताल में 15 जून से नोएडा का सबसे बड़ा कोविड अस्पताल शुरू होने की उम्मीद है। टाटा कंपनी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत इस अस्पताल को बना रही है। इसमें 200 बेड होंगे। इसका उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर सकते हैं। नोएडा में वर्तमान में एक 50 बेड का कोविड अस्पताल है, जबकि ग्रेटर नोएडा में दो अस्पताल हैं।

नए जिला अस्पताल में कोविड अस्पताल पहले जून पहले सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन प्राधिकरण से हैंडओवर नहीं होने के कारण देर से काम शुरू हुआ। अब जून के मध्य में इसे शुरू कर दिया जाएगा। करीब 17 करोड़ की लागत से अस्पताल में संसाधन जुटाए जाएंगे। नोएडा में सुपर स्पेश्यलिटी शिशु अस्पताल में 50 बेड पर कोरोना से संक्रमित मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा जिम्स में 150 और शारदा में 200 बेड के आइसोलेशन वार्ड की सुविधा उपलब्ध है। यहां कोविड 19 के मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

शारदा अस्पताल में 200 बेड का एक और आइसोलेशन वार्ड तैयार कर भविष्य के लिए रखा गया है। कोरोना संक्रमित मरीजों की लगातार संख्या को बढ़ते देख कई और निजी अस्पतालों को भी कोविड अस्पताल के रूप में तैयार किया जा सकता है।

टाटा कंपनी अस्पताल तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंप देगी। अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी स्वास्थ्य विभाग के ही होंगे। इस अस्पताल को चलाने के लिए 100 से अधिक डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों की जरूरत होगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग तैयारी में जुट गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय : 85 फीसदी छात्रों ने ओपन बुक परीक्षा को नकारा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने डीयू के 51 हजार से अधिक छात्रों के बीच ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा को सर्वे किया। इसमें 85 फीसदी छात्रों ने इस माध्मय से परीक्षा को नकार दिया है। जल्द ही इस सर्वे के परिणाम को डूटा डीयू प्रशासन, यूजीसी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ साझा करेगा। डूटा की ओर से किए गए सर्वे में पूछा गया था कि वर्तमान हालात में क्या आप यूनिवर्सिटी परीक्षा के लिए अपने को तैयार मानते हैं। इसके जवाब में 90.5 फीसदी छात्रों ने कहा कि वह परीक्षा के लिए ही तैयार नहीं हैं। 85 फीसदी छात्रों ने कहा कि वर्तमान हालात में अपने और अपने परिवार को ओपन बुक ऑनलाइन परीक्षा और उससे जुड़ी व्यवस्था के लिए तैयार नहीं मानते हैं। ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में इसकी घोषणा करते हुए डूटा अध्यक्ष राजीब रे ने कहा कि 48 घंटे के अंदर 51 हजार से अधिक छात्रों ने इस सर्वे में हिस्सा लिया और हमारे सवालों के जवाब दिए। इसमें रेगुलर मोड से पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या अधिक है। यही नहीं इस सर्वे में हिस्सा लेने वालों में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्रों की संख्या भी अधिक है। डूटा उपाध्यक्ष आलोक रंजन पांडेय ने कहा कि हम हर उस जगह अपनी बात लेकर जाएंगे जिनसे कह सकते हैं। इसमें यूजीसी, एमएचआरडी भी है।

डीयू ने बिना शिक्षकों व छात्रों से बातचीत के यह निर्णय लिया है। इसलिए इसका विरोध जारी रहेगा। डूटा पदाधिकारी आभा देव हबीब ने बताया कि 80.5 फीसदी छात्रों का कहना है कि वह घर पर पढ़ाई में ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। घर का माहौल, अनिश्चितता, जीवन यापन की समस्या सहित स्वास्थ्य व अन्य कारणों से घर पर पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीयू को एक प्रयोगशाला मानकर यहां पर सभी प्रयोग किए जा रहे हैं लेकिन इसमें डीयू शिक्षकों, छात्रों से किसी तरह की राय नहीं ली जा रही। इस सर्वे का परिणाम चौंकाने वाला है।

Kumar Associates
Soliciter & Advisor (Legal)
Delhi District Court & High court
Karanjeet Kumar (Advocate)
H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395
VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI.
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

Distributors :
NEROLAC BERGER PAINTS SPECTRUM asian paints ICI
Mahender Kumar Jain
MP J&CO ESTD-1958
MAHABIR PRASHAD JAIN & CO.
Deals In :
Paints • Marble • Chips • Tiles etc.
Water Proofing • White-Cement
Shalimar Tar Product • Tap Crete-Cico.
5288, Ajmeri Gate Chowk, G.B. Road, Delhi-110006
Ph.: (O) 23214936, 23214937, 23216183 (R) 26929143, 51627135
(G) 9350210823 M : 9811077193 E-mail : mpjco_1958@rediffmail.com

Mob:- 9868995845, 9811053175
Umesh Kr. Jha
Chairman
VARKS
VARKS INFRA BUILDTECH (P.) LTD.
Developers, Builders & Collaborator
Regd. Office 113-A Krishan Kunj Ext. Part-I, Laxmi Nagar, Delhi-110092

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।